भारत - कोटे डी आइवरी संबंध

भारत और कोटे डी आइवरी के बीच संबंध परंपरागत रूप से मधुर हैं। हालांकि भारत ने 1979 में अबिदजान में अपना दूतावास स्थापित कर दिया था, कोटे डी आइवरी (जो अंग्रेजी में आइवरी कोस्ट कहा जाता है) ने सितंबर 2004 में नई दिल्ली में अपना रेजीडेंट मिशन स्थापित किया। एक दशक की राजनीतिक अस्थिरता तथा सशस्त्र संघर्ष के बाद श्री अलासाने ओउटारा को मई 2011 में कोटे डी आइवरी के राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई गई। उनकी सरकार भारत के साथ द्वितीय संबंधों को सुदृढ़ करने की इच्छुक है और इसलिए आई सी टी, कृषि, खनन और अवसंरचना के क्षेत्रों में सहयोग पर बल के साथ भारत को फोकस कंट्री के रूप में घोषित किया है।

द्विपक्षीय यात्राएं :

2. उच्च स्तरीय द्विपक्षीय यात्राएं वांछनीय से कम हुई हैं। व्यापार, उद्योग एवं खान मंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री श्री डेनियल कबलान डंकन ने नई दिल्ली में भारतीय आर्थिक शिखर बैठक में भाग लेने के लिए 3 से 7 नवंबर 2014 के दौरान भारत का दौरा किया। उन्होंने विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज के साथ बैठक की तथा सी आई आई एवं फिक्की के साथ अलग से कारोबारी बातचीत भी की।

3. प्रधानमंत्री डंकन इससे पहले 17 से 19 मार्च 2013 के दौरान भारत के दौरे पर आए थे तथा 9वीं सी आई आई - एग्जिम बैंक गोष्ठी को संबोधित किया था। उनके साथ पांच केबिनेट मंत्री अर्थात उद्योग मंत्री, कृषि मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, अवसंरचना मंत्री तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी मंत्री भी आए थे। उन्होंने प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह से मुलाकात की।

4. दिल्ली में भारत - आइवरी संयुक्त व्यापार समिति (जे टी सी) की दूसरी बैठक में भाग लेने के लिए एक शिष्टमंडल के साथ अगस्त 2006 में तत्कालीन विदेश मंत्री श्री यूसुफ बकायोको ने भारत का दौरा किया। अन्यों के अलावा इस शिष्टमंडल में दो मंत्री शामिल थे - जिन्होंने खान एवं ऊर्जा मंत्रालय तथा पर्यावरण, जल संसाधन एवं वन मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया। इस यात्रा के दौरान द्विपक्षीय विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओ सी) के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। इससे पहले विदेश मंत्री सिमियन आका ने मार्च 1983 में दिल्ली में नाम शिखर बैठक में भाग लिया था।

5. भारत में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के लिए कोटे डी आइवरी के मंत्रियों के दौरे होते रहते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख यात्राएं इस प्रकार हैं : उद्योग एवं निजी क्षेत्र संवर्धन

मंत्री सुश्री अमाह मैरी तेहोवा ने 2007 में भारत का दौरा किया और फिर सी आई आई - एग्जिम बैंक साझेदारी गोष्ठी में भाग लेने के लिए 2008 में भारत का दौरा किया; तत्कालीन नई प्रौद्योगिकी एवं सूचना संचार मंत्री श्री गोहरे जैक्यूस होउगा बी ने मई / जून 2010 में हैदराबाद में आयोजित आई टी यू विश्व दूर संचार विकास सम्मेलन में भाग लेने के लिए कोटे डी आइवरी की दूर संचार एजेंसी (ए टी सी आई) के अध्यक्ष तथा उच्च रैंक के कई अन्य टेलीकॉम अधिकारियों के साथ भारत का दौरा किया।

6. भारत की ओर से पेयजल एवं स्वच्छता राज्य मंत्री श्री राम कृपाल यादव ने नई दिल्ली में भारत - अफ्रीका मंच की तीसरी शिखर बैठक के लिए निजी तौर पर निमंत्रण सौंपने के लिए प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में 13 से 16 जुलाई 2015 के दौरान अबिदजान का दौरा किया। उन्होंने राष्ट्रपति ओउटारा, प्रधानमंत्री डंकन से मुलाकात की तथा विदेश मंत्री डिबी से भी मुलाकात की।

7. अफ्रीकी विकास बैंक (ए एफ डी बी) की वार्षिक बैठकों के लिए एग्जिम बैंक के सी एम डी ने 26 से 28 मई 2015 के दौरान कोटे डि आइवरी का दौरा किया। उन्होंने राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से भी मुलाकात की। अपर सचिव, डी ई ए श्री दिनेश शर्मा ने भी ए एफ डी बी बैठकों में भाग लेने के लिए 24 से 29 मई 2015 के दौरान कोटे डी आइवरी का दौरा किया।

8. विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर ने 22 से 24 जनवरी, 2014 के दौरान अबिदजान का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से मुलाकात की तथा तथा विदेश मंत्री चार्ल्स कोफी डीबी के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। इस यात्रा के दौरान दो करारों पर हस्ताक्षर किए गए - भारत के विदेश मंत्रालय और कोटे डी आइवरी के विदेश मंत्रालय के बीच संयुक्त आयोग का गठन और दोनों देशों के विदेश सेवा संस्थानों के बीच सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन। प्रधानमंत्री डंकन के साथ उन्होंने 24 जनवरी को ग्रैंड बासम में महात्मा गांधी प्रौद्योगिकी पार्क का उद्घाटन किया जिसके लिए भारत ने 20 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता की प्रतिबद्धता की है।

9. भारत की ओर से पिछली प्रमुख यात्राओं में 14-15 जनवरी, 2009 को तत्कालीन विदेश राज्य मंत्री श्री आनंद शर्मा की यात्रा शामिल है। भारत की ओर से यह द्विपक्षीय यात्रा 17 साल के लंबे अंतराल के बाद हुई जिससे द्विपक्षीय संबंध में गति आई।

चुनावी मामलों में सहयोग :

10. कोटे डी आइवरी के स्वतंत्र चुनाव आयोग - केमिली होगुई के तत्कालीन अध्यक्ष की यात्रा के दौरान 10 सितंबर 2004 को नई दिल्ली में चुनावी मामलों में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

द्विपक्षीय व्यापार :

11. पिछले 5 वर्षों के लिए कुल द्विपक्षीय व्यापार का ब्यौरा यहां नीचे दिया गया है :

(मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	निर्यात	आयात	कुल	वृद्धि (प्रतिशत में)
2010-11	94.15	250.84	344.99	
2011-12	282.53	466.33	748.86	117.07
2012-13	395.97	384.23	780.20	4.19
2013-14	298.95	298.40	597.35	-23.44
2014-15	309.75	532.10	841.85	40.93

12. द्विपक्षीय व्यापार, जिसमें आंतरिक उथल पुथल की अवधि के बाद 2011 के मध्य से भारी वृद्धि हुई जो शांति एवं राजनीतिक स्थिरता की बहाली का प्रतीक है, आगामी वर्ष में स्थिर बना रहा तथा वर्ष 2013-14 में इसमें कमी आई। पिछले एक साल में इसमें काफी उछाल आया है।

13. भारत काजू, मैग्नीज अयस्क, कॉटन, लकड़ी, स्क्रैप मेटल, रबर आदि का आयात करता है। कोटे डी आइवरी विश्व में काजू का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है तथा भारत कोटे डी आइवरी के काजू उत्पादन का लगभग 80 प्रतिशत आयात करता है। भारत जिन वस्तुओं का निर्यात करता है उनमें मुख्य रूप से अनाज (चावल), भेषज पदार्थ, मशीनरी, लोहे की वस्तुएं, रसायन, प्लास्टिक, रबर उत्पाद, वाहन आदि शामिल हैं।

कोटे डी आइवरी में भारतीय निवेश :

14. हाल के वर्षों में कोटे डी आइवरी में अनेक भारतीय उद्यमों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की है, जिससे कोटे डी आइवरी में भारत सबसे बड़े विदेशी प्रत्यक्ष निवेशक देशों में से एक बन गया है। एक भारतीय कंपनी द्वारा मैग्नीज के खनन एवं निर्यात के अलावा भारत की चार - पांच अन्य बड़ी कंपनियां हैं जो इस समय क्रमश: लोहा एवं मैग्नीज तथा स्वर्ण खनन एवं अन्वेषण की गतिविधियों में शामिल हैं। भारतीय व्यवसाय समूह मध्यम आकार के इस्पात संयंत्र किंग आइवरी का स्वामी है तथा इसका संचालन कर रहा है।

15. काजू, इमारती लकड़ी तथा वस्तुओं के व्यापार, विनिर्माण, आई सी टी, कृषि प्रसंस्करण आदि में छोटे एवं मध्यम आकार की भारी संख्या में भारतीय कंपनियां व्यापार में शामिल हैं तथापि एन आर आई / पी आई द्वारा नियंत्रित इनमें से अनेक उद्यम अब दुबई, सिंगापुर आदि से बाहर आधारित हैं।

16. कोटे डी आइवरी में ऑफशोर हाइड्रो कार्बन के अन्वेषण के लिए ओ एन जी सी विदेश लिमिटेड (ओ वी एल) ने यू एस की एक ऊर्जा कंपनी वांको के साथ वर्ष 2005 में एक संयुक्त उद्यम स्थापित किया था परंतु उत्साहवर्धक तकनीकी डाटा के अभाव में एक साल बाद यह कंसोर्टियम टूट गया। एक बार पुन: ओ वी एल में 2015 में कोटे डी आइवरी के प्रस्ताव पर विभिन्न तेल एवं गैस ब्लाकों के तकनीकी डाटा की जांच की परंतु इसे पर्याप्त रूप से आकर्षक नहीं पाया।

17. फार्मास्युटिकल क्षेत्र की अनेक बड़ी कंपनियों, जिसमें रैनबक्शी, कैडिला, अजंता, स्ट्राइड, भारत सेरम, माइक्रो लैब्स, आई पी सी ए आदि शामिल हैं, ने कोटे डी आइवरी में अपना प्रचालन तेज कर दिया है। इनमें से अनेक कंपनियों ने पश्चिमी अफ्रीका के सभी फ्रेंच भाषी देशों को अबिदजान से कवर करने के उद्देश्य से वर्ष 2013 एवं 2014 में अबिदजान में अपने अपने कार्यालयों का विस्तार किया है / खोला है।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक आदान - प्रदान :

18. फिक्की तथा भारतीय दूतावास, अबिदजान द्वारा संबंधित एक कारोबारी शिष्टमंडल ने 26 से 29 मई 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। शिष्टमंडल ने कोटे डी आइवरी के अनेक मंत्रियों से अलग अलग बैठकें की तथा प्रधानमंत्री डंकन से भी मुलाकात की।

19. प्रधानमंत्री डंकन के निमंत्रण पर 13 भारतीय कंपनियों से एक भारतीय कारोबारी एवं निवेश शिष्टमंडल ने 7 से 9 दिसंबर 2014 के दौरान अबिदजान का दौरा किया तथा प्रधानमंत्री से निजी तौर पर बातचीत के अलावा कोटे डी आइवरी के अनेक मंत्रालयों के साथ बातचीत की। एक अन्य भारतीय कारोबारी शिष्टमंडल ने 6 से 9 अप्रैल 2013 तक कोटे डी आइवरी का दौरा किया था तथा व्यवसाय दर व्यवसाय बैठकें की थीं।

20. इलेक्ट्रानिक्स एवं कंप्यूटर सॉफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद (ई एस सी) से एक 9 सदस्यीय आई सी टी शिष्टमंडल ने 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2012 के दौरान कोटे डी आइवरी का दौरा किया। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ई ई पी सी) के एक 20 सदस्यीय

शिष्टमंडल ने 2010 में अपनी यात्रा के दौरान सफल क्रेता - विक्रेता बैठक का आयोजन किया। इसके अलावा कोटे डी आइवरी से आई टी क्षेत्र के कारोबारी शिष्टमंडलों ने भारतीय इलेक्ट्रानिक एवं कंप्यूटर साफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा आयोजित वार्षिक इंडिया साफ्ट कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।

21. भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) तथा कोटे डी आइवरी में व्यापार एवं निवेश संवर्धन केन्द्र (सी ई पी आई सी आई) ने 2007 में अबिदजान में "भारत - अफ्रीका परियोजना साझेदारी" नामक एक क्षेत्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

भारतीय आर्थिक सहायता :

22. दोनों देशों के बीच दक्षिण दक्षिण सहयोग के विस्तार से द्विपक्षीय संबंध सुदृढ़ हुए हैं। कोटे डी आइवरी ने कृषि प्रसंस्करण, परिवहन, विद्युत पारेषण, मछली पालन आदि जैसे क्षेत्रों में परियोजना विकास के लिए उदार ऋण प्राप्त किया है। भारत के एग्जिम बैंक के माध्यम से कोटे डी आइवरी को निम्नलिखित ऋण सहायता (एल ओ सी) प्रदान की गई है :

क्र. सं.	एल ओ सी परियोजनाएं	वर्ष एवं स्टेटस
1.	() 400 बसों की आपूर्ति; () काजू प्रसंस्करण संयंत्र; () वनस्पति तेल प्रसंस्करण संयंत्र; और () चिप निर्माण, लिक्विड शुगर, कसावा स्टार्च बनाने वाले संयंत्र के लिए 26.80 मिलियन अमरीकी डालर।	2005; पूरी हो गई है
2.	() महात्मा गांधी आई टी एवं जैव प्रौद्योगिकी पार्क; (20 मिलियन अमरीकी डालर); () मछली प्रसंस्करण (4 मिलियन अमरीकी डालर); और () नारियल फाइबर प्रसंस्करण संयंत्र (1.5 मिलियन अमरीकी डालर) का निर्माण करने के लिए 25.50 मिलियन अमरीकी डालर।	2008; कार्यान्वयन के अधीन
3.	चावल उत्पादन कार्यक्रम के विकास के लिए 30 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता	2009; कार्यान्वयन के अधीन
4.	225 के वी की लबोआ - बाउंडियाली - फर्केसडोगू पारेषण लाइन की आपूर्ति, उत्थापन और अधिष्ठापन के लिए 54 (30 + 24) मिलियन	2009; कार्यान्वयन के अधीन

	अमरीकी डालर	
5.	नीची जमीन में कृषि के विकास के लिए 102 मिलियन अमरीकी डालर	ऋण सहायता को क्रियाशील करने के लिए अंतिम करार पर अभी हस्ताक्षर होने हैं

23. भारत ने अबिदजान में स्थित प्रौद्योगिकी प्रदर्शन एवं संवर्धन केन्द्र (सी डी टी) की स्थापना के लिए 790,000 अमरीकी डालर का कुल अनुदान प्रदान किया है। सी डी टी कोटे डी आइवरी के उद्योग मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था है। भारत की ओर से कार्यान्वयन एजेंसी राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम थी जो भारत सरकार का एक उद्यम है तथा कोटे डी आइवरी की ओर से एल ए सोसाइटी (12 टी), आइवोरिएन डी प्रौद्योगिकी ट्रोपिकल कार्यान्वयन एजेंसी है। दोनों देशों की सरकारों के बीच 2005 में हस्ताक्षरित एम ओ यू के तहत 2007-10 के दौरान तीन वर्ष की अवधि के लिए परियोजना कार्यान्वित की गई।

24. आई ए एफ एस प्रक्रिया : अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना के तहत कोकोदी विश्वविद्यालय में दूरस्थ अधिगम संकायों के माध्यम से कोटे डी आइवरी के सबसे अधिक छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। भारत में प्रमुख अस्पतालों के साथ एक टेलीमेडिसिन परामर्श सुविधा अबिदजान में यूपोगोंग हॉस्पिटल में स्थापित की गई है। चूंकि शिक्षण का माध्यम फ्रेंच भाषा (कोटे डी आइवरी में यह मातृभाषा है) नहीं है, इसलिए ऐसे छात्रों के बीच उत्साह की कमी है, जिन्होंने पाठ्यक्रमों के लिए अपना पंजीकरण कराया था। ग्रामीण विकास मंत्रालय तथा एन आई आर डी से एक तीन सदस्यीय टीम ने आई ए एफ एस - 2 के निर्णय के अनुसार कोटे डी आइवरी में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना की जांच करने के लिए 18 से 23 मई 2015 तक कोटे डी आइवरी का दौरा किया।

क्षमता निर्माण एवं मानव संसाधन विकास :

25. भारत भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत कोटे डी आइवरी को काफी संख्या में प्रशिक्षण स्लॉट प्रदान कर रहा है; चालू वर्ष 2015-16 में 80 प्रशिक्षण स्लाटों की पेशकश की गई है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) के माध्यम से भारत सरकार ने भारत में अवर स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई करने के लिए कोटे डी आइवरी के युवाओं को 11 पूर्णत: संदत्त छात्रवृत्तियां भी प्रदान की है। इसके अलावा कोटे डी आइवरी के अनेक छात्र आई ए एफ एस तंत्र के तहत भी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्राप्त कर रहे हैं।

26.	भारत तेजी से कोटे डी आइवरी के छात्रों के लिए वाणिज्य एवं प्रबंधन डिग्री के अलावा विशेष रूप से आई सी टी अध्ययनों के लिए एक महत्वपूर्ण केन्द्र बनता जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में स्व वित्त पोषण के आधार पर पढ़ाई करने के लिए कोटे डी आइवरी के 500 से अधिक छात्र भारत आए हैं।

संस्कृति :

27.	फ्रेंच भाषा में डब किए गए भारतीय टेलीविजन सीरियल कोटे डी आइवरी में बहुत लोकप्रिय हैं, जिसमें वैदेही और सलोनी शामिल हैं। कोटे डी आइवरी के सोटेका नामक एक बैंड ने फरवरी 2015 में भारत में आयोजित 29वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड शिल्प मेले में भाग लिया।

भारतीय समुदाय :

28.	कोटे डी आइवरी में लगभग 1500 भारतीय नागरिक रहते हैं। उनमें से अधिकतर खनन, विनिर्माण, व्यापार तथा सामान्य किराना के कारोबार में लगे हैं। कोटे डी आइवरी में यू एन आपरेशन (यू एन ओ सी आई) के साथ भारतीय सेना के 8 अधिकारी काम कर रहे हैं। 17 भारतीय अफ्रीकी विकास बैंक के साथ भी काम कर रहे हैं जो 2014 में अबिदजान वापस आया।

29.	अबिदजान में इस्कान एवं गीता आश्रम के सेटअप हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, अबिदजान की वेबसाइट :
:// / ../

***

जुलाई, 2015